

Hindustan Times- 23- July-2023

More flash floods wreak havoc in Leh, Himachal, U'khand, Gujarat

SHIMLA/DEHRADUN/SRINAGAR: Three people were feared dead after a flash flood in Shimla district and another three were killed after a vehicle fell into a gorge in Bilaspur in Himachal Pradesh, as heavy rains, flash floods and a cloudburst, ravaged parts of northern India on Saturday. In the town of Khaltu Nul-la in Himachal Pradesh, cracks appeared in the middle of the road, forcing an evacuation of local residents.

As moderate to very heavy

rains lashed parts of Himachal Pradesh since Friday, Renuka/Dadahu was the wettest with 195 mm of rainfall, followed by 137 mm at Nahan and 106 at Solan 103 mm at Pachhad, weather data of the past 24 hours ending at 8.30am showed.

In Uttarakhand, there was a cloudburst in Uttarkashi's Purola that damaged shops and homes. At Dhauntri under Dunda tehsil on Uttarkashi-Lamgaon-Kedar-nath highway, a safety wall of primary hospital caved in due to

a landslide triggered by over-night rain, officials said.

A cloudburst triggered flash floods in the Union Territory of Ladakh, causing debris to flow into the main market area and throwing life out of gear, but there are no reports of any loss of life, officials said.

Heavy to very heavy rains also pounded several districts in Gujarat's south and Saurashtra regions, triggering a flood-like situation and isolating villages.

Hindustan Times- 23- July-2023

{ **WORRISOME SITUATION** }

Heavy rains pummel south Gujarat, Saurashtra



Vehicles swept away in heavy flow of water in Junagadh

PTI

Press Trust of India

letters@hindustantimes.com

AHMEDABAD: Heavy rains pounded several districts in Gujarat's south and Saurashtra regions on Saturday, triggering a flood-like situation in urban areas and isolating villages amid water levels in dams and rivers surging to danger marks.

In Junagadh city, dozens of parked cars and cattle were swept away in gushing waters after it received 219 mm of rain in 8 hours till 4 pm on Saturday. People were seen wading through waist-deep water to shift to safer places. Navsari and

Junagadh were among the worst affected districts.

In south Gujarat, heavy rains pummelled Navsari district where life was thrown out of gear due to flooding. Navsari and Jalalpur talukas received 303 and 276 mm of rainfall, between 6 am and 4 pm, said the State Emergency Operation Centre.

A father-son duo was swept away in a swollen drain in Navsari city. While the man was rescued, efforts were underway to trace the son, an official said.

IMD issued a warning of very heavy rainfall in south Gujarat and Saurashtra-Kutch districts, till Sunday morning.

The Hindu- 23- July-2023

Delhi govt. on high alert as Yamuna likely to breach danger mark again

Water level recedes below 205.33 metres on Saturday; discharge of more than two lakh cusecs of water from Hathnikund barrage in Haryana is expected to increase the water level in the river today; government urges people to remain vigilant

The Hindu Bureau
NEW DELHI

The water level in the Yamuna receded below the danger mark of 205.33 metres on Saturday, but is likely to rise again by Sunday evening, according to the Central Water Commission.

Discharge of more than two lakh cusecs of water to the Yamuna from the Hathnikund barrage in Haryana, upstream of Delhi, is expected to increase the water level in the river and impact relief and



Revenue Minister Atishi said certain parts of Yamuna Khadar might face flooding if the water level rises to 206.7 metres. SUSHIL KUMAR VERMA

rehabilitation work in the flood-affected areas, officials said, urging people to remain vigilant and cooperate with the authorities.

The water level of Yamuna in Delhi at 9 p.m. on Sa-

turday was 205.04 metres and it is expected to fall to 204.95 metres by 4 a.m. on Sunday, officials said, adding that it is likely to rise to 206.7 by 6 p.m. on Sunday. Also, light rains are predict-

ed every day in the city for the next one week.

Revenue Minister Atishi said the government is on high alert and that certain parts of Yamuna Khadar might face flooding if the water rises to 206.7 metres.

The government is fully prepared to carry out evacuation in these areas, she said, adding that to ensure the well-being of the affected residents, relief camps have been thoroughly inspected and comprehensive preparations have been put in place.

Meanwhile, a nine-year-

old boy was feared drowned in the Yamuna river stretch in south-east Delhi's Shaheen Bagh area, the police said on Saturday.

Boy feared drowned

The incident took place on Friday evening when Mohammad Ahsan and a friend were swimming in the river, the police said, adding that two persons standing near the river bank tried to rescue him but failed. Five policemen and four divers were deployed to trace the boy, the police added.

Amar Ujala- 23- July-2023

पहाड़ों पर बारिश व बादल फटने से नदियों में उफान, दिल्ली में भी बढ़ेंगी मुश्किलें

हथिनीकुंड से 2.23 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा, दिल्ली-एनसीआर में बाढ़ का खतरा

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। उत्तर भारत में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं ने तबाही मचा दी है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में पांच जगह बादल फट गए। इससे कई जगह सड़कें टूट गईं और हाईवे पर मलबे से यातायात रुक गया है। हरियाणा-पंजाब में भारी बारिश से नदियां उफान गई हैं। हथिनीकुंड बैराज से शनिवार को छोड़े 2.23 लाख क्यूसेक पानी से हिंडन व यमुना का जलस्तर और बढ़ना शुरू होगा। इससे ग्रेटर नोएडा के कुछ सेक्टरों में पानी भरने और दिल्ली-एनसीआर में बाढ़ का खतरा व नागरिकों की मुश्किलें, दोनों बढ़ने लगी हैं।

उत्तराखंड के पुरोला में शुक्रवार देर रात बादल फटने से छाड़ा खंड, कमल नदी, माल गाड़ सहित कई गदरे उफान पर आ गए। घरों में पानी और मलबा घुस गया। लोगों ने घरों से भागकर जान बचाई। नहरें, सड़क और पुल क्षतिग्रस्त हो गए। गाड़ियां व मोटर साइकिलें बह गईं। हिमाचल के शिमला व कुल्लू में बादल फटने से खासी तबाही हुई। शिमला के रोहडू में एक ढाबे में मौजूद दादा-दादी और पोते बह गए। जबकि कोटखाई में भूस्खलन की चपेट में आकर दो लोग मारे गए। उधर, लेह और डोडा में भी बादल फटने से हालात बिगड़ गए हैं। हिमाचल में बारिश से पंजाब में रावी, सतलुज, व्यास व घग्गर का जलस्तर फिर बढ़ गया। हरियाणा के घग्गर में तेज बहाव से सिरसा में मल्लेवाला, चामल व बाजेका गांव में तटबंध टूट गए।



गजियाबाद



शिमला

गजियाबाद में करहेड़ा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फंसे लोग घर छोड़ रहे हैं। वहीं, शिमला में बादल फटने के बाद गाड़ियां मलबे में दब गईं।

उत्तराखंड...यमुनोत्री हाईवे समेत 299 सड़कें ठप

यमुनोत्री हाईवे समेत 299 सड़कें बंद हैं। केदारनाथ हाईवे पर भी कई जगह मलबा आया है, लेकिन भूस्खलन वाले क्षेत्रों में जेसीबी की मदद से हाईवे खोल दिया गया है। बीते 24 घंटों में 41.1 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 196 फीसदी अधिक है। रविवार को भी भारी बारिश का अनुमान है।

जम्मू-कश्मीर : चिनाब खतरे के निशान की ओर

चिनाब का जलस्तर खतरे के निशान की ओर बढ़ रहा है। डोडा में चिराला तहसील का मुख्यालय से संपर्क कट गया है। बादल फटने से लद्दाख के लेह में बाढ़ के हालात हैं।

हिमाचल : रेणुका झील में पांच फुट बढ़ा पानी

प्रदेश में 696 सड़कें बंद हैं। सिरमौर की ऐतिहासिक रेणुका झील का जलस्तर पांच फुट बढ़ गया, जिससे दुकानों व आश्रमों में पानी भर गया। कालका-शिमला राष्ट्रीय राजमार्ग बंद कर दिया गया है। शिमला-किन्नौर और नाहन-शिमला एनएच ठप रहे। गगल व भुंतर हवाईअड्डे में हवाई सेवाएं बंद रहीं।

विजनौर की कोटावली नदी में सुबह आठ बजे अचानक उफान से यूपी के



रुपईडीहा (बहराइच) से हरिद्वार जा रही

रोडवेज बस फंस गई। इससे चालक

व परिचालक समेत

43 यात्रियों की जान

पर बन आई। बस को क्रेन से किसी तरह

नदी में बहने से रोका गया और करीब तीन

घंटे तक चले अभियान में जेसीबी से सवारियों को बाहर निकाला गया।

उफनती नदी में फंसी बस

पानी की निकासी के लिए सरकार तैयार

दिल्ली सरकार ने कहा है कि हथिनीकुंड बैराज से पानी दिल्ली पहुंचने पर यमुना खादर में बाढ़ आ सकती है। ऐसे में सतर्कता बरती जा रही है। संवेदनशील इलाकों में तत्काल निकासी करने के लिए सरकार पूरी तरह तैयार है। रहत शिविरों का निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने व अफसरों से सहयोग की अपील की है।

कॉलोनिनों में भरा पानी, ग्रेनो में इलाके खाली करने के निर्देश

- गजियाबाद में हिंडन नदी का पानी बढ़ने से करहेड़ा की नौ कॉलोनियां डूब गईं। इससे 800 से अधिक परिवारों को घर छोड़कर राहत शिविरों या दूसरे स्थानों पर शरण लेनी पड़ी। बाढ़ में फंसे लोगों को 15 ट्रैक्टर की मदद से प्रशासन बाहर निकालने में जुटा हुआ है।
- हिंडन के बढ़ते जलस्तर को देख ग्रेटर नोएडा में प्रशासन ने जिला प्रशासन ने बाढ़ का अलर्ट जारी कर दिया है। डूब क्षेत्र तत्काल खाली कर लोगों से सुरक्षित स्थान पर पहुंचने की अपील की है। नदी में गजियाबाद बैराज से सामान्य की अपेक्षा दोगुना पानी छोड़ा जा रहा है।
- एनसीआर समेत पश्चिमी यूपी में सोमवार को कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश के आसार हैं। 25 जुलाई को पश्चिमी यूपी में भारी बारिश हो सकती है।

Amar Ujala- 23- July-2023

यमुना खादर में फिर बाढ़ का खतरा, चेतावनी जारी

पहाड़ों पर लगातार बारिश की वजह से हथिनीकुंड से हर घंटे छोड़ा जा रहा पानी, प्रशासन ने मुनादी कराकर जगह खाली करने के निर्देश दिए

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में फिर से बाढ़ का संकट खड़ा हो गया है। हरियाणा के हथिनीकुंड से शनिवार सुबह हर घंटे दो लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़े जाने पर दिल्ली सरकार ने चेतावनी जारी की है कि यमुना किनारे बसे लोग घर खाली कर दें। रविवार सुबह तक तेजी से जलस्तर बढ़ने का अंदेश है। प्रशासन मुनादी कराने के साथ लोगों को खादर से बाहर निकालने में जुट गया है।

अधिकारियों का कहना है कि पहाड़ों पर लगातार तेज बारिश हो रही है। ऐसे में यमुना के जरिये पहाड़ी क्षेत्रों से हथिनीकुंड बेराज में इस समय जरूरत से बहुत ज्यादा पानी आ रहा है। इसका नतीजा ये रहा कि शुक्रवार रात दो बजे जहाँ हथिनीकुंड बेराज से यमुना में 28429 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था।

वहीं, सुबह नौ बजे पानी की मात्रा कई गुना बढ़ गई और करीब 1,47,857 क्यूसेक पानी इस दौरान छोड़ा गया। इसके बाद सुबह 10 बजे 209042 क्यूसेक, सुबह 11 बजे 223054 क्यूसेक, दोपहर 12 बजे 240825 क्यूसेक, दोपहर एक बजे 241518 क्यूसेक, दोपहर दो बजे 251987 क्यूसेक, दोपहर तीन बजे 242905 क्यूसेक, दोपहर चार बजे 232566 क्यूसेक व दोपहर पांच बजे 204436 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। प्रशासन ने कहा कि पूरी रात



02 लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी हर घंटे छोड़ा गया

शनिवार शाम को यमुना की स्थिति। अमर उजाला

दिनभर घटा जलस्तर

हथिनीकुंड से वेशक शनिवार सुबह दस बजे से दो लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया, लेकिन दिल्ली में हर घंटे दिनभर जलस्तर कम होता रहा। सुबह नौ बजे से शाम सात बजे तक इसमें करीब बीस सेंटीमीटर की गिरावट दर्ज की गई। सुबह 8 बजे यमुना खतरे के निशान 205.33 मीटर पर बह रही थी, लेकिन शाम सात बजे 205.09 मीटर तक पहुंच गई।

■ अधिकारियों का कहना है कि हथिनीकुंड से छोड़े गए पानी के दिल्ली पहुंचने से जलस्तर तेजी से बढ़ सकता है। रविवार को यह खतरे के निशान से ऊपर पहुंच जाएगा।

इसी अनुपात में पानी छोड़े जाने की सूचना मिली है। पहाड़ों पर लगातार बारिश जारी है और हथिनीकुंड बेराज के पास कोई जलाशय नहीं है, इसलिए वहां पर पानी रोककर रखना संभव नहीं है। इससे दिल्ली पर बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

बाढ़ राहत शिविरों के आसपास हर दिन सांप निकल रहे हैं। मयूर विहार पुरते पर दो किंग कोबरा पकड़कर वन विभाग की टीम को सौंपे गए। राहत की बात ये है कि अब तक सांप काटने के मामले कहीं से भी नहीं आए हैं।

राहत शिविरों में जारी रहेंगी सुविधाएं

बाढ़ पीड़ितों को राहत शिविरों में हर जरूरी सुविधा पहले की तरह मिलती रहेगी। अधिकतर राहत शिविरों में शुरुआत से ही पीड़ितों को टेंट के साथ सुबह का नाश्ता, दो बार खाना, दवा व डॉक्टर की सलाह आदि सुविधाएं मिल रही हैं। कई राहत शिविरों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से इससे कहीं ज्यादा सुविधाएं मिल रही हैं जैसे कि बच्चों को किताबें, महिलाओं व बच्चों को कपड़े भी दिए गए हैं। मयूर विहार पुरते पर बच्चों के लिए पाठशाला भी चलाई जा रही है।

205.9 मीटर शाम 7 बजे तक पहुंचा

चेतावनी का स्तर | खतरे का निशान

204.5 मीटर | 205.33 मीटर



मुआवजे के लिए चल रहा सर्वे

बाढ़ पीड़ित हर परिवार को मुआवजा दिया जाएगा। सर्वे करने का काम चल रहा है। तहसीलदार विनोद कुमार सिंह ने बताया कि जिनके पास यमुना खादर क्षेत्र में रहने का प्रमाण है, पहले उन लोगों को मुआवजा दिया जाएगा और जिनका पता कहीं और का है, लेकिन खालों से यमुना खादर में रहते हैं उनके मुआवजे के लिए सरकार से पहले विमर्श किया जाएगा। डाटा जमा करने और मूल्यांकन करने का काम अभी जारी है।

हल्की बारिश से मिली थोड़ी राहत

नई दिल्ली। राजधानी में शनिवार दोपहर बाद हल्की बारिश हुई। इससे उमस भरी गर्मी से लोगों को थोड़ी राहत मिली। प्रायेशिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, शनिवार को अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक है। वहीं, न्यूनतम तापमान 29.4 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से दो डिग्री अधिक है। रविवार को हल्की बारिश से अधिकतम तापमान 37 व न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। ब्यूरो



बैरिकेड लगाकर बंद करने के बावजूद लोग लोहे के पुल से गुजर रहे हैं। अमर उजाला

Dainik Bhaskar- 23- July-2023

केंद्रीय सचिव के साथ मप्र और उप्र के अफसरों की बैठक केन-बेतवा लिंक: अगस्त में होंगे दौधन डेम के टेंडर, भूमि अधिग्रहण में तेजी के निर्देश

विशेष संवाददाता | भोपाल

भारत के पहले नदी जोड़ो प्रोजेक्ट केन-बेतवा लिंक के लिए केन नदी पर प्रस्तावित दौधन डेम के लिए टेंडर अगले माह 15 अगस्त से पहले जारी कर दिए जाएंगे। इसलिए इस प्रोजेक्ट के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया, गांवों के विस्थापन और पुनर्वास में तेजी लाई जाएगी। जो भी अधिकारी इस काम को प्राथमिकता से नहीं करेगा, हटा दिया जाएगा।

शुक्रवार को मप्र के मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैस और केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के सचिव पंकज कुमार ने पन्ना और छतरपुर जिलों में भूमि अधिग्रहण की प्रगति की जानकारी ली। दोनों अफसरों ने जोर देकर कहा कि प्रभावित ग्रामीणों के

केबीएलपीए को मिला स्थायी कार्यालय

पंकज कुमार ने शुक्रवार को भोपाल में केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट अथॉरिटी (केबीएलपीए) का स्थायी कार्यालय का उद्घाटन किया। वर्तमान में केबीएलपीए के अधिकारी नेशनल वाटर डेवलपमेंट एजेंसी के शाहपुरा स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में बैठकर काम कर रहे थे।

विस्थापन और पुनर्वास के काम को सर्वाधिक प्राथमिकता से जल्द पूरा किया जाए, क्योंकि पुनर्वास में देरी या लापरवाही से असंतोष पनपता है।

इस दौरान केबीएलपीए के अधिकारियों ने बताया कि टेंडर डॉक्यूमेंट पूरी तरह तैयार है। शनिवार को निर्माण कंपनियों के सामने इसका अंतिम प्रेजेंटेशन होगा, इसके बाद बेहतर सुझाव या आपत्ति आती है, तो उसे एक सप्ताह में शामिल या दूर कर लिया जाएगा। वन विभाग की ओर से

बताया गया कि पन्ना टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में निर्माण की मंजूरी का प्रस्ताव केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय को भेज दिया है। मुख्य सचिव ने ईसी की शर्तों के तहत गठित ग्रेटर पन्ना लैंडस्केप कमेटी की मीटिंग जल्द बुलाने के निर्देश दिए हैं। बैठक में एसीएस वन जेएन कंसोर्टिया, प्रमुख सचिव जल संसाधन मनीष सिंह, वन प्रमुख आरके गुप्ता, ईएनसी जल संसाधन शिशिर कुशवाह समेत उप्र के अधिकारी मौजूद थे।